मंगलवार
29 मार्च 2022

पृष्ठ 4

बेहतर नींद दिलाने में कारगर हैं ये चाय...!

पृष्ठ 5

मुझे रुद्र में देखकर मेरा परिवार हैरान हो गया:राशि

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 61
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

आपका कोई भी काम महत्वहीन हो सकता है पर महत्वपूर्ण यह है कि आप कुछ करें।

– महात्मा गांधी

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

उत्तराखंड में रचा जा रहा है नित नया इतिहास

सत्र बिना नेता विपक्ष, मंत्री बिना विभाग

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में नित नया इतिहास लिखा जा रहा है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में लगातार दूसरी बार चुनाव जीतकर सत्ता में आने का इतिहास रचा तो आज विधानसभा सत्र के पहले दिन विपक्ष कांग्रेस ने बिना नेता विपक्ष के सदन की कार्रवाई में भाग लिया। यह पहला मर्तबा है जब सदन में नेता विपक्ष की कुर्सी खाली पड़ी रही वहीं भाजपा के मंत्री भी बिना विभागों के ही सत्र की कार्यवाही में भाग लेने पर मजबूर हुए, क्योंकि उन्हें अभी तक विभाग बांटे ही नहीं गए हैं।

10 मार्च को आए चुनाव परिणामों को 20 दिन होने जा रहे हैं लेकिन विपक्ष काग्रेस अभी तक नेता विपक्ष का चुनाव नहीं कर सकी है। अभी बीते 26 मार्च को सांध्य दैनिक 'दून वैली मेल' द्वारा इस खबर को प्रमुखता से छापा गया था कि क्या इस बार सत्र बिना नेता विपक्ष के होगा जो आज सच साबित हुआ। नेता विपक्ष का चुनाव न हो पाने के कारण इस बार सत्र से पूर्व होने वाली कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में भी कांग्रेस के किसी विधायक द्वारा भाग नहीं लिया गया था। जबकि इससे पूर्व ऐसा कभी देखने को नहीं मिला है।

नेता विपक्ष के अभाव में आज विधानसभा सत्र के दौरान भी कांग्रेस बिखरी-बिखरी दिखी। हरिद्वार ग्रामीण से विधायक चुनकर आई अनुपमा रावत ने आज सदन में राज्यपाल के अभिभाषण

❑कांग्रेस 20 दिन में भी नहीं चुन सकी नेता
❑विभागों के बंटवारे पर बोले धामी जल्द होगा

के दौरान बढ़ती महंगाई का मुद्दा उठाया गया। वह अपने दुपट्टे पर महंगाई के खिलाफ लिखे पोस्टर को लेकर विधानसभा की सीढ़ियों पर धरने पर बैठी लेकिन कोई भी कांग्रेसी विधायक उनके साथ नहीं दिखा। इस पर जब पूर्व नेता विपक्ष प्रीतम सिंह से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि दरअसल उन्होंने इसके बारे में पहले किसी से कोई बात ही नहीं की थी। फिर भी उन्होंने कहा कि समन्वय के अभाव में यह चूक हुई है। जब बिना नेता विधानमंडल के आप सत्र में जाएंगे तो ऐसी ही चूक होती ही रहेगी।

सूबे की सरकार ने गाजे-बाजे के साथ 24 मार्च को सूबे की सत्ता तो संभाल ली लेकिन एक पूरा सप्ताह बीत चुका है अभी तक मंत्रियों को उनके विभाग नहीं बांटे जा सके हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से जब भी पत्रकारों द्वारा इस बाबत सवाल किया जाता है तो उनका एक ही जवाब होता है बहुत जल्द कर दिए जाएंगे। गिने चुने ही मंत्री हैं उन्हें भी विभाग नहीं बांटे जा पा रहे हैं अगर यूपी की तरह 50 होते तो क्या होता? मंत्रियों के पास जब विभाग ही नहीं हैं तो सदन में प्रश्नकाल का भी क्या औचित्य होगा? संसदीय कार्य मंत्री सिर्फ इसकी औपचारिकता भर पूरी करते दिखेंगे।

कांग्रेस नेता प्रीतम सिंह का नेता विपक्ष का चयन न हो पाने के बारे में कहना है कि बिना नेता विपक्ष के सत्र में नहीं आ सकते या सत्र नहीं चल सकता ऐसी कोई संवैधानिक बाध्यता तो है नहीं। उन्होंने कहा कि श्रीमती सोनिया गांधी को इसके लिए अधिकृत किया गया है वह जल्द इस पर फैसला लेंगी। उधर अपने मंत्रियों को अभी तक विभाग ने बांट पाने वाले भाजपा के नेता, नेता विपक्ष पर चुटकी लेते हुए कहते हैं कि इस काम को वह तो कर नहीं सकते यह कांग्रेस को देखना चाहिए कि वह अब तक नेता क्यों नहीं चुन सकी है। मदन कौशिक का कहना है कि वह पहले सीएम के लिए लड़ रहे थे अब नेता विपक्ष के लिए लड़ रहे हैं इसमें मैं क्या करूं।

नौसेना प्रमुख की मौजूदगी में भारतीय नौसेना में शामिल हुआ वायु स्क्वाड्रन 316

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार वायु स्क्वाड्रन (आईएनएएस) ३१६ की कमीशनिंग के लिए गोवा के डाबोलिम में आईएनएस हंसा पहुंचे। इस दौरान उन्हें गार्ड आफ आनर दिया गया। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार की मौजूदगी में वायु स्क्वाड्रन (आईएनएएस) ३१६ को गोवा के डाबोलिम में आईएनएस हंसा में कमीशन किया गया। इस मौके पर नौसेना प्रमुख ने कहा कि आज की गतिशील और जटिल सुरक्षा स्थिति में इस स्क्वाड्रन की परिचालन क्षमता हमारे राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा, संरक्षण और बढ़ावा देने की हमारी क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी। बता दें कि आईएनएएस ३१६ बोइंग पी–८एल का संचालन करेगा, जो एक सबसे परिष्कृत बहु–भूमिका वाली लंबी दूरी की समुद्री टोही और पनडुब्बी रोधी युद्ध विमान है। नौसेना के नए चीफ आर हरि कुमार १ जनवरी १९८३ को भारतीय नौसेना में शामिल हुए थे

भारत में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 1259 नए केस सामने आए, 35 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस का कहर भले ही कम हो रहा है, लेकिन इसका खतरा अभी भी बरकरार है। देश में जानलेवा कोरोना वायरस महामारी के नए मामलों में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है।

देश में पिछले २४ घंटों में कोरोना वायरस के १२५९ नए केस सामने आए हैं और ३५ लोगों की मौत हो गई। कल कोरोना के १२७० केस दर्ज किए गए थे और ३१ लोगों की मौत हुई थी। जानिए देश में कोरोना की ताजा स्थिति क्या है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, कल देश में १ हजार ७०५ लोग ठीक हुए, जिसके बाद अब एक्टिव मामलों की संख्या घटकर १५ हजार

३७८ हो गई है। वहीं, इस महामारी से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर ५ लाख २१ हजार ७० हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक, अभी तक ४ करोड़ २४ लाख ८५ हजार ५३४ लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। देश में अब तक कोरोना से ४ करोड़ ३० लाख २१ हजार ६८२ लोग संक्रमित हुए हैं।

राष्ट्रव्यापी टीकाकरण मुहिम के तहत अभी तक कोरोना वायरस रोधी टीकों की १३ करोड़ से ज्यादा खुराक दी जा चुकी हैं। कल २५ लाख ६२० हजार ४०७ डोज़ दी गईं, जिसके बाद अबतक वैक्सीन की १८३ करोड़ ५३ लाख ६० हजार ४६६ डोज़ दी जा चुकी हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, स्वास्थ्यकर्मियों, कोरोना योद्धाओं और ६० साल से ज्यादा आयु वाले अन्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों को २ करोड़ से ज्यादा (२,२७,३०,०३४) एहतियाती टीके लगाए गए हैं। देश में कोविड रोधी टीकाकरण अभियान १६ जनवरी, २०२१ से शुरू हुआ और पहले चरण में स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाया गया। वहीं, कोरोना योद्धाओं के लिए टीकाकरण अभियान दो फरवरी से शुरू हुआ था।

दून वैली मेल

संपादकीय

अधिकार और अंकुश के बीच कर्तव्य

उत्तराखंड राज्य के मंत्रियों ने एक बार फिर सचिवों का सीआर लिखने का अधिकार देने की मांग मुख्यमंत्री धामी से की है। इन मंत्रियों का कहना है कि सूबे की नौकरशाही पर लगाम लगाया जाना जरूरी है। नौकरशाहों द्वारा मनमाने तरीके से काम करने और मंत्रियों और विधायकों के आदेशों और बातों को न मानने के आरोप भले ही कोई नई बात न सही लेकिन क्या जरूरी है और क्या नहीं यह एक बड़ा सवाल है। अधिकारों की जहां तक बात है किसी भी क्षेत्र, विभाग या फिर घर-परिवार की बात करें तो अधिकार सभी को अच्छे लगते हैं और सभी की चाहत होती हैं कि उनके पास अपरमित अधिकार हो, इतने अधिक अधिकार हों कि वही सब पर हुकूमत करें उनका काम सिर्फ हुकुम देने का हो बाकी सब उनके हुकुम के गुलाम हो। बात अगर अंकुश की करे तो जिसे नेता लगाम लगाने की बात कहते हैं वह किसी को भी पसंद नहीं है। न कोई कर्मचारी और न कोई अधिकारी यह चाहता है कि उस पर कोई पाबंदी हो। लेकिन जब बात कर्तव्यों की आती है तो सभी कन्नी काटते दिखते हैं। यह अधिकारों और लगाम (अंकुश) की जो लड़ाई है उसके मूल में यही है कि कोई भी अपने कर्तव्यों का पालन ठीक से नहीं करता है। भले ही संवैधानिक और सामाजिक आधार पर अधिकारों और कर्तव्यों को बखूबी परिभाषित किया गया हो लेकिन हमें सिर्फ अधिकारों से ही सरोकार होता है। यह ठीक है कि कुछ राज्यों में इस तरह की व्यवस्थाएं हैं कि मंत्रियों को अधिकारियों की सीआर लिखने का अधिकार है। उत्तराखंड में एनडी तिवारी सरकार के कार्यकाल में ऐसी व्यवस्था रही थी तथा मंत्रियों ने त्रिवेंद्र के नेतृत्व वाली सरकार के समय भी यह मांग उठाई थी लेकिन यह भी देखने योग्य है कि एक आईएएस अधिकारी की सीआर एक दसवीं पास मंत्री अगर लिख रहा हो तो उस अधिकारी को क्या और कैसा लगेगा। मंत्रियों और नेताओं द्वारा आजादी के 75 सालों में कभी एक बार भी इस बात की मांग क्यों नहीं की गई या मांग क्यों नहीं उठाई गई कि बिना हायर क्वालिफिकेशन के कोई चुनाव नहीं लड़ सकेगा। देश के नेताओं को चाहिए कि वह संविधान में संशोधन के जरिए ऐसी व्यवस्था करें कि कोई एक भी अनपढ़ या कम पढ़ा लिखा अथवा आपराधिक मामलों में लिप्त प्रत्याशी कोई चुनाव न लड़ सके। यह बात जैसे नेताओं को अच्छी नहीं लग सकती है वैसे ही मंत्रियों की यह मांग भी अच्छी नहीं लग सकती। रही कर्तव्यों के निर्वहन की बात तो अधिकारियों को इस पर और ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। बिना अधिकारियों की सार्थक और उत्कृष्ट प्रणाली के किसी भी क्षेत्र, राज्य या समाज का समुचित विकास संभव नहीं है। इन अधिकारियों को भी सत्ता में बैठे जनप्रतिनिधियों के साथ सहयोग की जरूरत है। बजाय अधिकारों और कर्तव्यों अथवा अंकुश और नकेल कसने जैसे कवायतों में पड़ने की। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल से ही बेहतर प्रमाण निकल सकते हैं।

लाखों की साइबर ठगी करने वाला गाजियाबाद से गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने लाखों रूपये की साइबर ठगी करने वाले शातिर को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि इन्दर रोड डालनवाला निवासी राजेन्द्र सिंह ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी पुरानी बन्द बीमा पॉलिसियों को रिवाइज कराये जाने के नाम पर उनसे अलग-अलग किश्तों में 13 लाख 54 हजार रूपये ठग लिये हैं। मामले की जांच कुमाऊं साइबर पुलिस स्टेशन स्थानान्तरित कर दी गयी। जांच में सामने आया कि जिस नम्बर से फोन आया था वह फर्जी आईडी से सिम लिया गया था। रूपया भी आन्ध्रा बैक व आईडीबीआई बैंक खातों में गया था। जो दिल्ली के पाये गये। बैंक खातों व फोन नम्बरो की जांच के बाद एसटीएफ व साइबर थाना पुलिस को महत्वपूर्ण जानकारियां मिली जिसके बाद पुलिस टीमें दिल्ली व एनसीआर के लिए रवाना की गयी। जांच में सामने आया कि वर्ष 2018 में करोडों की साइबर ठगी में जेल गया धीरज शर्मा का एक साथी विशाल उर्फ विशाल भटनागर पुलिस के हाथ नहीं लगा था वह जगह बदल बदल कर छुपा हुआ है। जिसके कुछ नये ठिकानों की पुलिस को जानकारी मिली। एसटीएफ ने विशाल उर्फ विशाल भटनागर को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। जिसने साइबर ठगी के मामलों में अपना हाथ होना बताया। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

चुनाव जीतने की मशीनरी जरूरी

अजीत द्विवेदी

कुछ समय पहले जब कहा जाता था कि चुनाव अब नेता नहीं, बल्कि रणनीतिकार लड़ाएंगे और मुकाबला रैलियों, रोड शो में नहीं, बल्कि ट्विटर, फेसबुक और व्हाट्सऐप पर लड़ा जाएगा तो पार्टियों के नेता कहते थे कि भारत कोई अमेरिका नहीं है। ज.भाजपा के पास एक शानदार मशीनरी है, जिसके दम पर उसने कांग्रेस से उसकी 7० साल की उपलब्धियां छीन ली हैं।भाजपा की यह मशीनरी सिर्फ चुनाव के समय काम नहीं करती है, बल्कि 365 दिन और 24 घंटे काम करती है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों ने भारतीय राजनीति की एक अहम जरूरत को रेखांकित किया है। वह जरूरत है चुनाव लड़ाने और जिताने वाली मशीनरी की। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी इसका जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इसलिए चार राज्यों में चुनाव जीती क्योंकि उसके पास चुनाव लड़ाने वाली आधुनिक मशीनरी है, कांग्रेस को भी ऐसी मशीनरी तैयार करनी होगी। सवाल है कि इस मशीनरी में क्या क्या चीजें हैं, जो चुनाव लड़ने और सकारात्मक नतीजे हासिल करने के लिए जरूरी हैं? और क्या आम आदमी पार्टी जैसी नई बनी पार्टी ने भी वह मशीनरी विकसित कर ली है, जिसके दम पर उसने पंजाब का चुनाव जीता?

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों ने भारतीय राजनीति की एक अहम जरूरत को रेखांकित किया है। वह जरूरत है चुनाव लड़ाने और जिताने वाली मशीनरी की। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी इसका जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इसलिए चार राज्यों में चुनाव जीती क्योंकि उसके पास चुनाव लड़ाने वाली आधुनिक मशीनरी है, कांग्रेस को भी ऐसी मशीनरी तैयार करनी होगी।

राहुल गांधी ने जिस आधुनिक मशीनरी का जिक्र किया उसका एक हिस्सा नए सॉफ्टवेयर और अल्गोरिदम आधारित मशीनरी है, जिसके बिना इन दिनों चुनाव नहीं लड़ा जा सकता है। चुनाव रणनीतिकार, सर्वेक्षण करके फीडबैक जुटाने वाली टीम, उस फीडबैक के आधार पर नैरेटिव गढ़ने वाली टीम, सोशल मीडिया में इस नैरेटिव को वायरल करने और उस पर ओपिनियन बनवाने वाली टीम, अपने प्रतिद्वंद्वियों की गलतियां निकालने और उस पर ट्रोल कराने वाली टीम, ये सब इस आधुनिक मशीनरी का हिस्सा हैं। भाजपा के पास इसकी एक शानदार मशीनरी है, जिसके दम पर उसने कांग्रेस से उसकी 7० साल की उपलब्धियां छीन ली हैं और तमाम झूठी-सच्ची असफलताओं के लिए उसे जिम्मेदार बनाया है। इसी मशीनरी के दम पर भाजपा ने गांधी परिवार को कांग्रेस और देश के लिए एक लायबिलिटी साबित किया है। भाजपा की यह मशीनरी सिर्फ चुनाव के समय काम नहीं करती है, बल्कि 365 दिन और 24 घंटे काम करती है।

भाजपा के उलट कांग्रेस अब भी पारंपरिक तरीके से चुनाव लड़ती है। उम्मीदवार तय करने से लेकर प्रचार सामग्री तैयार करने और प्रचार करने तक का कांग्रेस का तरीका पारंपरिक है। सोशल मीडिया में भी कांग्रेस की जो उपस्थिति दिखती है वह कांग्रेस की वजह से कम और भारतीय जनता पार्टी व उसकी सरकार का विरोध करने वाले सोशल मीडिया के स्वंयभू योद्धाओं की वजह से ज्यादा है। इसलिए यह ज्यादा असरदार नहीं है। यह बुनियादी रूप से वैचारिक है, इसमें कोई नियोजन नहीं है और कोई तालमेल नहीं है। इनकी दूसरी सीमा यह है कि ये किसी घटना के हो जाने के बाद उस पर प्रतिक्रिया देते हैं। किसी एजेंडे के तहत कोई विमर्श इनके दम पर खड़ा नहीं किया जा सकता है। उसके लिए पार्टियों के पास अपना पूरा तंत्र होना चाहिए।

अगर पांच राज्यों में हुए चुनाव और उसके नतीजे देखें तो जीतने वाली दोनों पार्टियों- भाजपा और आप को देख कर साफ लगेगा कि चुनाव प्रबंधन, रणनीतिकार और मशीनरी की कितनी जरूरत है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस इन तीन चीजों की कमी के चलते हारे। भाजपा की राज्य सरकारों के खिलाफ लोगों में गुस्सा था, सरकार के कामकाज से निराशा थी और बदलाव की चाहत भी थी फिर भी सपा और कांग्रेस इस हालात का फायदा नहीं उठा पाए तो उसका कारण यह था कि इन पार्टियों के साथ रियल टाइम में फीडबैक जुटाने, उस पर प्रतिक्रिया देने, आकर्षक नारे गढ़ने, झूठे-सच्चे नैरेटिव तैयार करने वाली टीम नहीं थी। मिसाल के तौर पर पंजाब का चुनाव देखें। जिस दिन कांग्रेस पार्टी ने दलित नेता चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया उस दिन से आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया में उनको नकली दलित बताना शुरू किया। उनके ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और अरविंद केजरीवाल ने पता नहीं अपने किस सर्वेक्षण के आधार पर कहना शुरू किया कि चन्नी दोनों सीटों- चमकौर साहिब और भदौर से चुनाव हार रहे हैं।

मुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री पद के घोषित दावेदार दोनों सीटों से चुनाव हार रहे हैं, इसका ऐसा प्रचार आम आदमी पार्टी ने किया कि सचमुच कांग्रेस के नेता चुनाव से पहले ही मान लिए वे हार रहे हैं। यह मनोवैज्ञानिक लड़ाई है, जो टेलीविजन चैनलों के स्टूडियो या सोशल मीडिया के स्पेस में लड़ी जाती है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में यह और भी जरूरी इसलिए है क्योंकि चुनाव कई चरण में होते हैं और हर चरण के मतदान के बाद चुनाव बदलता जाता है। अगर किसी पार्टी के पास अच्छा चुनाव रणनीतिकार हो और अच्छी मशीनरी हो तो वह हर चरण के बाद बदलते चुनाव को अपने पक्ष में मोड़ सकता है। सोचें, उत्तर प्रदेश के जाट और मुस्लिम बहुल पश्चिमी हिस्से में पहले चरण की 58 सीटों में से 48 सीटें भाजपा को मिली हैं, जबकि माना जा रहा था कि किसान आंदोलन की वजह से जाट बुरी तरह से नाराज हैं और भाजपा को वोट नहीं देंगे। लेकिन क्या यह फीडबैक सपा प्रमुख अखिलेश यादव को मिली थी? अगर मिली तो उन्होंने दूसरे और तीसरे चरण के लिए अपनी रणनीति में क्या बदलाव किया?

कुछ समय पहले जब कहा जाता था कि चुनाव अब नेता नहीं, बल्कि रणनीतिकार लड़ाएंगे और मुकाबला रैलियों, रोड शो में नहीं, बल्कि ट्विटर, फेसबुक और व्हाट्सऐप पर लड़ा जाएगा तो पार्टियों के नेता कहते थे कि भारत कोई अमेरिका नहीं है। ध्यान रहे अमेरिका का 2०16 का राष्ट्रपति चुनाव पूरी तरह से ट्विटर पर लड़ा गया था। अब भारत में यह नहीं कहा जा सकता है कि भारत कोई अमेरिका नहीं है। अब यहां भी चुनाव स्मार्टफोन और सोशल मीडिया में लड़ा जा रहा है। उसी के जरिए धारणा बनाई और बदली जा रही है। नेताओं और मुद्दों को लोगों के मानस में स्थापित किया जा रहा है।

हालांकि ऐसा नहीं है कि तकनीक और मशीनरी के इस दौर में कार्यकर्ता और संगठन की जरूरत खत्म हो गई है। लेकिन अब उनकी भूमिका बदल गई है। वे इस तकनीक या मशीनरी का सहायक पुर्जा है, जिनका काम पार्टियों या नेताओं के चुनाव रणनीतिकारों द्वारा गढ़े गए नैरेटिव और नारे को आम लोगों तक पहुंचाना है। वह भी फिजिकल तरीके से कम और इलेक्ट्रोनिक तरीके से ज्यादा। जितने ज्यादा लोगों तक पहुंच बनेगी और उस पहुंच में जितनी निरंतरता रहेगी, उतना फायदा होगा। प्रशांत किशोर और उनकी कंपनी इंडियन पोलिटिकल एक्शन कमेटी यानी आईपैक यहीं काम करती है। पोलिटिकल एक्शन कमेटी यानी पैक्स पूरी तरह से अमेरिकी राजनीति से लिया गया विचार है। वहां पार्टियों के पैक्स और सुपर पैक्स होते हैं, जो सारे चुनावी मुद्दे, नारे और नैरेटिव तय करते हैं और उन्हें लोगों तक पहुंचाने के उपाय करते हैं। यह सब लोगों की राय के आधार पर किया जाता है। भारत के लिए यह नया विचार है और इसलिए सब इस विचार के मोहपाश में बंधे हैं। ध्यान रहे भारत में जैसे ही कोई नया विचार आता है या नई तकनीक आती है, उसका इस्तेमाल करने वाला सबको पराजित कर देता है। भारतीय राजनीति का वहीं दौर अभी चल रहा है, जो इस दौर के साथ नहीं चलेगा वह पिछड़ जाएगा।

सकृद्ध द्यौरजायत सकृदभूमिरजायत।
पृश्न्या दुग्धं सकृत्पयस्तदन्यो नानु जायते।।

(ऋग्वेद ६-४८-२२)

ईश्वर ने सूर्य, पृथ्वी, अंतरिक्ष आदि को सृष्टि में एक बार उत्पन्न किया है। इन जैसा कोई सृष्टि में दोबारा उत्पन्न नहीं होता है। ईश्वर कभी उत्पन्न नहीं होता है, ईश्वर सदैव वही रहता है।

God created the Sun, Earth, Space, etc. once in the creation of the Universe. No one like these is born again in the universe. God is never born, God always remains the same. (Rig Veda 6-48-22)

ऋतु खंडूड़ी ने दिलाई तिलकराज बेहड को शपथ

संवाददाता

देहरादून। विधारसभा सत्र के पहले दिन विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी ने तिलकराज बेहड को पद व गोपनीयता की शपथ दिलायी।

आज यहां उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने विधानसभा भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में कांग्रेस के किच्छा विधानसभा से विधायक तिलकराज बेहड़ को विधानसभा सदस्य के रुप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कांग्रेस की विधायक तिलकराज बेहड़ स्वास्थ्य खराब होने के कारण सदन में शपथ नहीं ले पाए थे। आज सत्र के पहले दिन सदन में प्रवेश करने से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हे अपने कार्यालय कक्ष में शपथ दिलाई। इस दौरान कांग्रेस के पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह, विधायक सुमित हृदयेश, भुवन कापड़ी सहित अन्य विधायकगण मौजूद थे।

पश्चिमी बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जाये: युवा वाहिनी

संवाददाता

देहरादून। पश्चिमी बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग को लेकर हिन्दू युवा वाहिनी ने जिला मुख्यालय में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां हिन्दु युवा वाहिनी के कार्यकर्ता जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि पश्चिम बगालं मे बिगड़ती हुयी कानून व्यवस्था को लेकर पूरे भारत मे हिन्दू युवा वाहिनी द्वारा रोष प्रकट किया गया। जिस तरह

से पश्चिम बगांल राज्य मे ममता बनर्जी के शासन काल मे विगत कई वर्षो से मानवता को शर्मसार करते हुये तेजी से हमले करके हत्याये हो रही है जिस कारण राज्य के आम जनमानस खौफ के साये मे रह रहा है। हजारो लोग डर के कारण बगालं छोडकर दूसरे राज्यों मे जा रहे है अभी कुछ दिन पहले ही एक और दर्दनाक घटना पशचिम बगाल के एक जिले वीरभूम मे घटी जिसमे घर के अन्दर ही दगाईयो ने पूरे परिवार को जलाकर राख कर दिया। इस घटना के कारण पुरा देश इस घिनौने काण्ड को लेकर थर्रा सा गया है। हिन्दु युवा वाहिनी राष्ट्रपति रामनाथ कोविद जी से मांग करती है कि जल्द से जल्द बगालं राज्य मे ममता बनर्जी की सरकार को जो कि पुरी तरह से फेल हो चुकी है उसे निष्कासित करके पश्चिमी बगालं राज्य मे राष्ट्रपति शासन लगाया जाएं। ज्ञापन देने वालो मे महीला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष नीलम त्यागी, राजाराम, अमित भाटिया, मनीष मारवाह भाग्यश्री भट्ट, अनीता शर्मा गीता साहनी, नीलम इत्यादी दर्जनो लोग मौजूद थे।

काशीपुर में दिव्यांगों ने किया प्रदर्शन

काशीपुर (आरएनएस)। दिव्यांगों ने सत्यापन के नाम पर शोषण करने का आरोप लगाते हुए एसडीएम कार्यालय में प्रदर्शन किया। दिव्यांगों ने मूक बधिरों के लिए अलग से आयोग बनाने की मांग करते हुए एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। सोमवार को उत्तराखंड मूक बधिर विकलांग कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष एमए राहुल के नेतृत्व में दिव्यांगों ने एसडीएम कार्यालय में प्रदर्शन किया।

वक्ताओं ने कहा कि दिव्यांगों का शोषण किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आये दिन सत्यापन के नाम पर समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगों को परेशान किया जा रहा है। दिव्यांगों से आय प्रमाण पत्र मांगा जा रहा जो तहसील द्वारा जल्दी से जारी नहीं किया जाता है। आय प्रमाण पत्र बनाने के लिए दिव्यांगों को चक्कर कटवाये जाते हैं। प्रमाण पत्र नहीं मिलने की वजह से दिव्यांगों को पेंशन नहीं मिल रही है। प्रदर्शन करने वालों में जाकिर हुसैन, राम बाबू, नरगिस, मुन्नू सिंह, कादिर, राधा, अंकिता, राजेंद्री, राजू, निक्कू, सोहन लाल, फूलवती, ज्योति, रेखारानी आदि शामिल रहे।

अन्तर्राज्जीय गैंग के शातिर साइबर ठग मध्य प्रदेश से गिरफ्तार

हमारे सवांददाता

चमोली। 'एनी डेस्क एप' डाउनलोड करवा कर लाखों की ठगी करने वाले अर्तराज्यीय गैंग के शातिर ठग को पुलिस ने मध्यप्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने ठगी में प्रयुक्त मोबाइल भी बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार बीते वर्ष 11 नवम्बर को जे.पी. कंपनी में कार्यरत सुभाष चन्द नौटियाल, निवासी जे.पी. कम्पनी लामबगड, जोशीमठ द्वारा थाना गोविन्दघाट पर तहरीर देकर बताया गया कि मेरा एसबीआई बैंक में खाता है। मैं एसबीआई योनो ऐप के सम्बन्ध में जानकारी चाहता था मैंने कस्टमर केयर का नम्बर गूगल पर सर्च किया तो एक मोबाइल नम्बर पर मेरी फर्जी कस्टमर केयर अधिकारी से बात हुई उसके द्वारा मुझे एनी डेक्स ऐप डाउनलोड करने हेतु बताया गया। बताया कि मेरे द्वारा जब एनी डेक्स एप डाउनलोड किया गया तो कुछ समय बाद ही मेरे एसबीआई खाते से डेढ़ लाख रूपये धोखाधड़ी कर उड़ा

लिये गये। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर ठगों की तलाश शुरू कर दी गयी। ठगों की तलाश में लगी पुलिस ने जब ठगी में प्रयुक्त बैंक खाते के सम्बन्ध में जानकारी ली तो पता चला कि आरोपी ठग मध्यप्रदेश में हो सकता है। इस पर पुलिस टीम मध्यप्रदेश पहुंची और कड़ी खोजबीन कर उक्त खाता धारक ठग राजकुमार पुत्र नोखेलाल, निवासी घुरनेर जिला मण्डला मध्यप्रदेश को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसने पूछताछ में बताया कि कुछ समय पहले मैं पेरम्बूदूर चेन्नई तमिलनाडु में रहता था और वैल्डिंग का काम करता था। बताया कि ठगी में प्रयुक्त बैंक खाता सख्या मेरा ही है। बताया कि खाते में लिंक मोबाइल नम्बर मेरे दोस्त फिरोज अंसारी का है जो झारखण्ड़ का रहने वाला है और पहले तमिलनाडु में ही रहता था। अब कहाँ है इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है। जबकि दूसरा मोबाइल नम्बर मेरा ही है। मुझे पता चला की पुलिस मुझे ढूंढ रही है तो मैं पेरम्बूदूर चेन्नई से भागकर अपने गांव घुरनेर मण्डला मध्यप्रदेश वापस आ गया। जिसके बाद पुलिस ने सुभाष चन्द नौटियाल के खाते से एक लाख पचास हजार रुपये स्वंय के खाते में की गयी ट्रांजेक्शन डिटेल्स दिखायी गयी तो वह कोई भी जानकारी स्पष्ट रुप से नही दें सका। पुलिस ने उसके पास से धोखधड़ी में प्रयुक्त एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। जिसे पुलिस ने स्थानीय न्यायालय से ट्रांजिट रिमाण्ड प्राप्त कर उत्तराखण्ड़ लाया गया है।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुआंवाला निवासी जलालुददीन पुत्र आशिक अली अपनी स्कूटी से शहर से घर की तरफ जा रहा था जब वह लक्ष्मण सिद्ध मन्दिर के पास पहुंचा तभी तेज गति से आ रही कार ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पशु क्रूरता पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। पशु क्रूरता के मामले में पुलिस ने दुकानदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पशु क्रूरता निवारण समिति की सदस्य सेलाकुई निवासी रूबीना नितिन अय्यर ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि झाझरा स्थित मीट की दुकान के मालिक गुडडु द्वारा अपनी दुकान के सामने मुर्गे व बकरों को सारा दिन बांधकर रखकर पशु क्रूरता की जा रही है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डम्पर की चपेट में आकर एक की मौत

देहरादून (संवाददाता)। डम्पर की चपेट में आकर एक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छिददरवाला निवासी कल्याण सिंह बिष्ट बाजार से घर की तरफ जा रहे थे जब वह छिददरवाला चौक पर पहुंचे तभी पीछे से आ रहे डम्पर ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी। डम्पर चालक मौके पर डम्पर छोडकर फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अवैध कब्जों के समय कहां होते हैं अधिकारी ?

संवाददाता

देहरादून। सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों के समय नगर निगम, पीडब्लूडी व अन्य विभागों के अधिकारी कहां होते हैं। जमीन पर कब्जे के बाद अधिकारी जागते हैं और जेसीबी लेकर मौके पर पहुंच जाते हैं। अगर यह काम पहले ही कर लेते तो कब्जा होता ही क्यों?

उल्लेखनीय है कि सरकारी जमीनों पर कब्जे की सूचनाएं आये दिन मिलती रहती है। यही नहीं जमीनों पर कब्जा ही नहीं कई जगह पर तो बस्तियां तक बस जाती हैं उसके बाद विभागीय अधिकारियों को उसका पता चलता है कि फलां जगह पर सरकारी जमीन पर कब्जा हो गया है। ऐसा क्यों होता है कि कब्जा होने के बाद ही अधिकारियों को इसका पता चलता है जब कब्जा हो रहा होता है तब अधिकारी कहां होते हैं? सबसे चौंकाने वाली बात तो सहस्त्रधारा रोड पर स्थित ब्रहमावाला खाले में देखने को मिली। जब नगर निगम की टीम वहां पर पहुंची तो वहां पर पक्के मकान खडे हो रखे थे तथा लोगों ने बिजली पानी के कनेक्शन तक अपने नाम पर ले रखे थे। यह एक दिन में तो हुआ नहीं होगा। मकान खडा करने में भी कई दिन लगे होंगे तथा बिजली पानी के कनेक्शन के लिए भी कई दिनों तक विभाग के चक्कर लगाये होंगे। इतना कुछ होने के बाद नगर निगम को अपनी जमीन याद आयी यह अपने आपमें एक सोचने वाली बात है कि जब कब्जा हो रहा था पक्के मकान बन रहे थे और वहां पर कनेक्शन लिये जा रहे थे उस समय नगर निगम के अधिकारी कहां पर थे?

यही हाल किशन नगर चौक के पास लोहार वाला में भी देखने को मिला था। यह दो प्रकरण ही नहीं ऐसे सैकडों प्रकरण है जिनके बारे में आमजन को पता ही नहीं है। अभी हाल ही में रायपुर रोड पर स्थित करोडों की सरकारी जमीन का टैक्स तक भर दिया गया। जिस विभाग की वह जमीन है उसी विभाग में टैक्स जमा हुआ लेकिन अधिकारियों ने कोई आपत्ति दर्ज नहीं की। जब इस बात का पता स्थानीय जनप्रतिनिधि को चला तो उसने आवाज उठायी तब विभाग जागा और उस टैक्स को निरस्त किया गया। निगम की ही करोडों की विवादित जमीन उसी का टैक्स निगम में जमा किया गया और विभागीय अधिकारी आंखें मूंदे बैठे रहे?

यहीं नहीं फूटपाथों पर भी कब्जा होना आम बात है और पीडब्लूडी के अधिकारी सोये होते हैं। जब कहीं से आवाज उठती है तब कब्जे तोडने के लिए आगे आते हैं अगर किसी ने आवाज नहीं उठायी तो कुछ कार्यवाही नहीं की जाती है। अगर अधिकारी कर्मचारी ऐसे ही सोये रहेंगे तो कब्जे तो होते ही रहेंगे? इसके लिए सरकारी विभागों को अपनी जमीनों की लिस्ट तैयार कर उसको चिन्हित करना चाहिए और वहां पर अपने बोर्ड लगाने चाहिए जिससे की पता चले कि वह जमीन किसकी है? इसके लिए पक्का निर्माण होने से पहले ही विभागीय अधिकारियों को जागना होगा?

अभी गया नहीं है कोरोना

हकीकत यह है कि कोरोना महामारी अभी दुनिया से गई नहीं है। इस बात का ख्याल सबको रखना चाहिए। फिलहाल, इसकी सबसे तीखी मार वही देश झेल रहा है, जहां से इस महामारी की शुरुआत हुई थी। चीन और हांगकांग में संक्रमण के रोज नए मामले आने के रिकॉर्ड बन रहे हैँ।

भारत में लोग आम जिंदगी शुरू कर चुके हैँ। बल्कि अब आम तौर पर किसी के मन में कोरोना संक्रमण का भय भी नजर नहीं आता। मास्क और सेनेटाइजर का इस्तेमाल न्यूनतम हो चुका है। वैसे यह अच्छी बात है। लोगों का भरोसा देख कर बेहतर दिनों का भरोसा बनता है। लेकिन हकीकत यह है कि कोरोना महामारी अभी दुनिया से गई नहीं है। इस बात का ख्याल सबको रखना चाहिए। फिलहाल, इसकी सबसे तीखी मार वही देश झेल रहा है, जहां से इस महामारी की शुरुआत हुई थी। चीन में संक्रमण के रोज नए मामले आने के रिकॉर्ड बन रहे हैँ। महामारी की शुरुआत में भी जितने लोग एक दिन में संक्रमित नहीं हो रहे थे, उतने अब हो रहे हैँ। खबरों के मुताबिक महामारी के इस नए दौर के लिए कोरोना वायरस के डेल्टा और ओमीक्रोन दोनों वैरिएंट जिम्मेदार हैं। यहां यह याद रखना चाहिए कि चीन अब संभवत: अकेला देश बचा है, जहां जीरो कोविड की नीति अभी भी लागू है। यानी वहां संक्रमण के एक भी मामले को अस्वीकार्य माना जाता है। हांगकांग में तो वायरस ने तबाही मचा रखी है। वो रोजाना बीसियों लोगों की मौत का कारण बन रहा है। चीन के मुख्य भूभाग में स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि और कड़े कदम भी उठाए जा सकते हैं। शेनजेन में अधिकारियों ने बताया है कि शहरी ग्रामीण इलाकों और फैक्ट्रियों में छोटे स्तर पर कई क्लस्टर पाए गए हैं। इससे सामुदायिक संचार के बड़े खतरे के संकेत मिलते हैं। पूर्वोत्तर में जिलिन प्रांत में लगातार दो दिनों तकएक हजार से ज्यादा मामले सामने आए। मार्च की शुरआत से इस प्रांत के कम से कम पांच शहरों में तालाबंदी लागू की जा चुकी है। तो सबक यह है कि इस महामारी को खत्म ना माना जाए। दुनिया के किसी भी हिस्से में ये मौजूद है, तो फिर यह कहीं पहुंच सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि लोग मास्क और सेनेटाइजर से अभी तौबा ना करेँ। (आरएनएस)

सामने है खाद्य संकट

कोरोना महामारी के बाद जब जिंदगी सामान्य होने लगी, तो सप्लाई चेन भंग होने के परिणाम पर दुनिया का ध्यान गया। अभी इस समस्या से निपटने पर चर्चा ही हो रही थी कि रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया। अब सूरत यह है कि दुनिया को आने वाले दिनों में गंभीर खाद्य संकट का सामना करना पड़ सकता है।

दुनिया में महंगाई पहले से बढ़ रही थी। कोरोना महामारी के कारण दो साल तक सब कुछ बाधित रहा। इसलिए जब जिंदगी सामान्य होने लगी, तो सप्लाई चेन भंग होने के परिणाम पर दुनिया का ध्यान गया। अभी इस समस्या से निपटने पर चर्चा ही हो रही थी कि रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया। अब सूरत यह है कि दुनिया को आने वाले दिनों में गंभीर खाद्य संकट का सामना करना पड़ सकता है। उसका असर करोड़ों लोगों पर पड़ेगा। यूक्रेन संकट का सबसे जाहिर असर प्राकृतिक गैस की रिकॉर्ड महंगाई है। उसकी वजह से खाद उत्पादक कंपनियों अमोनिया और यूरिया के उत्पादन में कटौती करने का फैसला किया है। स्पष्टत: इसका असर खेती-बाड़ी पर पड़ेगा। बीते दो हफ्तों की अवधि में कृषि उत्पादों के दाम में तेज उछाल आ चुका है। सबसे ज्यादा दाम गेहूं के बढ़े हैं। रूस और यूक्रेन दोनों गेहूं के सबसे निर्यातकों में शामिल हैँ। पूरी दुनिया में होने वाले गेहूं निर्यात में इन दोनों देशों का हिस्सा ३० फीसदी है। उर्वरकों के दाम भी तेजी से बढ़े हैं। रूस फर्टिलाइजर का एक बड़ा निर्यातक है। युद्ध शुरू होने के बाद वहां से निर्यात लगभग ठहर चुका है। इसके परिणामस्वरूप दुनिया के कई क्षेत्रों में मक्के, सोयाबीन्स, और वनस्पती तेलों के दाम में भी उछाल देखा जा रहा है। चूंकि संकट सामने हैं, तो विभिन्न देश अपनी जनता को बचाने को प्राथमिकता दे रहे हैँ। मसलन, मिस्र ने गेहूं, आटा, दाल और बीन्स का निर्यात रोकने का एलान किया है। इंडोनेशिया ने पाम ऑयल के निर्यात को सीमित कर दिया है। पाम ऑयल का रसोई के अलावा कॉस्मेटिक और चॉकलेट जैसे उत्पादों में भी इस्तेमाल होता है। इंडोनेशिया पाम ऑयल का सबसे बड़ा उत्पादक है। इस तरह के उत्पादक देशों के निर्यात सीमित करने का असर विश्व बाजार में महंगाई के रूप में सामने आ रहा है। रूस और बेलारुस के बाहर प्राकृतिक गैस की महंगाई का असर वहां के उवर्क कारखानों पर पड़ा है। जानकारों के मुताबिक लागत इतनी बढ़ गई है कि कारखानों को चलाना मुश्किल हो रहा है। गौरतलब है कि विश्व बाजार में यूरिया अभी करीब एक हजार डॉलर प्रति मिट्रिक टन के भाव से बिक रहा है। 2०21 के आरंभ से तुलना करें, तो यह कीमत चार गुना ज्यादा है। बिना उर्वरक के कोई फसल पैदा नहीं हो सकती। तो एक बड़ा संकट सामने है।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बेहतर नींद दिलाने में कारगर हैं ये चाय...!

अमूमन आपने यही सुना होगा कि सोने से पहले चाय का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे नींद उड़ जाती है। हालांकि, अगर हम ये कहे कि कुछ चाय आपकी नींद उड़ाने की बजाय आपको सुकुन की नींद दे सकती हैं तो? शायद आप यकीन न करें, लेकिन कुछ चाय दिमाग को शांत करके आपको बेहतर नींद दे सकती हैं। अगर आपको अनिद्रा की समस्या है तो आइए आज ऐसी ही कुछ चाय की रेसिपी जानते हैं।

तुलसी की चाय

तुलसी की चाय का सेवन बेहतर नींद दिलाने में काफी मदद कर सकती है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में पानी को अच्छे से गर्म करें, फिर उसमें एक चौथाई चम्मच चायपत्ती डालें और जब पानी में उबाला आ जाए तो तुलसी की पांच से छह पत्तियां और थोड़ा सा दूध (वैकल्पिक) डालकर फिर से उबालें। अब चाय को एक कप में छानकर निकालें और इसमें शहद मिलाकर इसका सेवन करें।

कैमोमाइल टी

कैमोमाइल टी एक हर्बल चाय है, जो कई ऐसे गुणों से समृद्ध होती है, जो चैन की नींद दिलाने में मदद कर सकते हैं। इस चाय को बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में एक गिलास पानी और एक चौथाई कप सूखे कैमोमाइल के फूल डालकर उबालें और जब पानी आधा हो जाए तो गैस बंद करके चाय को छानकर कप में डालें। इसके बाद चाय में स्वादानुसार शहद मिलाकर इसका सेवन करें।

पुदीने की चाय

अगर आपको नींद न आने का कारण चिंता है तो इसे दूर करके बेहतर दिलाने में पुदीने की चाय आपकी मदद कर सकती हैं क्योंकि इसमें मौजूद गुण और इसकी सुगंध दिमाग को शांत कर सकते हैं। पुदीने की चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में डेढ़ कप पानी में थोड़ी पुदीने की पत्तियां डालकर उबालें, फिर इस चाय को छानकर कप में डालें। इसके बाद चाय में स्वादानुसार शहद मिलाकर इसका सेवन करें।

ग्रीन टी

ग्रीन टी एंटी-ऑक्सीडेंट गुण के साथ-साथ कई ऐसे पोषक तत्वों से समृद्ध होती है, जो अनिद्रा की समस्या को दूर करने में मदद कर सकते हैं। इस चाय को बनाने के लिए गैस ऑन करके उस पर एक पैन रखकर उसमें पानी को गर्म करें, फिर पानी को एक कप में डालकर उसमें ग्रीन टी बैग को डालें। दो-तीन मिनट बाद इस स्वास्थ्यवर्धक हर्बल टी का सेवन करें। आप चाहें तो इसमें स्वादानुसार शहद मिला सकते हैं। (आरएनएस)

घर पर बहुत आसानी से तैयार किए जा सकते हैं फेस मिस्ट

फेस मिस्ट एक स्किन केयर प्रोडक्ट है, जो आपकी त्वचा को स्वस्थ और हाइड्रेट रखने में काफी मदद कर सकता है। खासकर, गर्मियों के दौरान तो इसका एक छिड़काव आपकी त्वचा को तरोताजा करने और इसे बाहरी अशुद्धियों से सुरक्षित रखने में अहम भूमिका अदा कर सकता है। इसके अतिरिक्त, यह आपके मेकअप को स्मूथ और नेचुरल लुक देने में सहायक है। आइए आज हम आपको घर पर ही फेस मिस्ट बनाने के आसान तरीके बताते हैं।

फेस मिस्ट त्वचा को तुरंत तरोताजा करने, हाइड्रेट रखने, सनबर्न से बचाने और अशुद्धियों को दूर करने में काफी मदद कर सकता है और आप इसका इस्तेमाल सुबह उठते ही, टोनर या मॉइश्चराइजर लगाने से पहले, मेकअप से पहले और वर्कआउट के बाद, कभी भी कर सकते हैं। बस इसे लगाने से पहले अपनी आंखों को बंद कर लें और फेस मिस्ट को चेहरे से थोड़ा दूर रखें, फिर इसका छिड़काव करें।

अगर आपकी त्वचा रूखे प्रकार की है तो आपको अपने स्किन केयर रूटीन में ऐसे प्रोडक्ट्स को शामिल करना चाहिए, जो त्वचा को हाइड्रेट और मॉइश्चराइज करें। एलोवेरा और खीरा, दोनों ऐसी सामग्रियां हैं, जो ये काम कर सकते हैं, इसलिए इनसे फेस मिस्ट बनाएं। इसके लिए एक स्प्रे बोतल में एलोवेरा जेल, खीरा का रस और विच हेजल ऑयल की कुछ बूंदें मिलाएं, फिर इस मिश्रण का इस्तेमाल फेस मिस्ट के तौर पर करें। ग्रीन टी एंटी-ऑक्सीडेंट गुण और टी ट्री ऑयल एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण से समृद्ध होता है, जो चेहरे के अतिरिक्त तैलीय प्रभाव को नियंत्रित करने और मुंहासों को कम करने में मदद कर सकते हैं। इन सामग्रियों से फेस मिस्ट बनाने के लिए सबसे पहले एक कप बिना चीनी वाली ग्रीन बनाएं और जब यह ठंडी हो जाए तो इसमें टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदें मिलाएं। अब इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में डालकर इसका इस्तेमाल बतौर फेस मिस्ट करें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य-78

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्‌भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

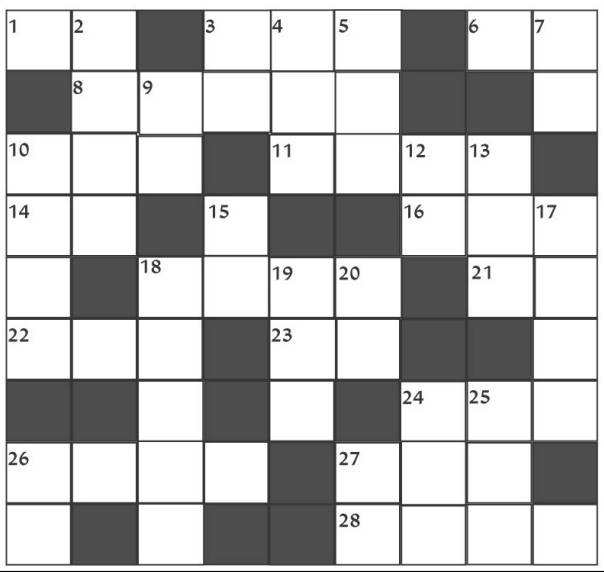

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 77 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

अपर्णा सेन की द रेपिस्ट का केरल फिल्म फेस्टिवल में हुआ प्रीमियर

अपर्णा सेन द्वारा निर्देशित हिंदी नाटक द रेपिस्ट का हाल ही में केरल के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रीमियर हुआ था। अपर्णा सेन और कोंकणा सेन शर्मा की मां-बेटी की जोड़ी के पुनर्मिलन को चिह्नित करने वाली फिल्म, वर्ग गतिशीलता के चश्मे के माध्यम से अपराध, सजा और पुनर्स्थापना न्याय के जटिल विषयों से संबंधित है।

यह तीन नायक की यात्रा का वर्णन करता है, और दिखाता है कि कैसे एक भयानक घटना के कारण उनका जीवन आपस में जुड़ जाता है। यह फिल्म यौन हिंसा, उसके परिणाम, और अपराध के पीड़ितों और अपराधियों दोनों के लिए सामाजिक-मनोवैज्ञानिक नतीजों का एक बेदाग, समझौता न करने वाला चित्र है।

इससे पहले, फिल्म ने बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपना वर्ल्ड प्रीमियर देखा, जहां इसने प्रतिष्ठित किम जिससेक पुरस्कार जीता था। अभिनेता ने फिल्म की शूटिंग 27 दिनों में दिल्ली में पहली और दूसरी कोविड -19 लहर के बीच की थी।

द रेपिस्ट का निर्माण अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने क्वेस्ट फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से किया है।

नोरा फतेही की डांसिंग स्किल्स की दीवानी हुई परिणीति चोपड़ा

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने अभिनेत्री, डांसर और मॉडल नोरा फतेही की तारीफ की हैं। नोरा हुनरबाज देश की शान में विशेष अतिथि के रूप में दिखाई दी। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में कोई भी एक्टर या कोरियोग्राफर ऐसा नहीं है जो नोरा की तरह डांस कर सके।

नोरा हिंदी, तेलुगु, मलयालम और तमिल फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने टेम्पर, बाहुबली- द बिगिनिंग और किक 2 जैसी फिल्मों में आइटम नंबर करके लोकप्रियता हासिल की।

परिणीति का कहना है कि नोरा की डांसिंग स्किल्स अपराजेय हैं और उनकी हर हरकत हंसी तो फंसी की एक्ट्रेस को प्रभावित करती है।

परिणीति आगे कहती हैं, कई डांसर हैं जो अद्भुत हैं, लेकिन मेरी राय में कोई भी उसकी बराबरी नहीं कर सकता।

कलर्स पर प्रसारित होने वाले हुनरबाज-देश की शान को मिथुन चक्रवर्ती, करण जौहर और परिणीति चोपड़ा जज कर रहे हैं।

एक्शन से भरपूर है हीरोपंती 2 का ट्रेलर

टाइगर श्रॉफ अभिनीत हीरोपंती 2 का ट्रेलर जारी किया गया। यह एक्शन और रोमांस की एक उच्च वोल्टेज कहानी और बबलू के रूप में टाइगर के प्रभावशाली अवतार, इनाया के रूप में तारा सुतारिया और लैला के नवाजुद्दीन सिद्दीकी के चरित्र को प्रस्तुत करता है।

ट्रेलर में लोकप्रिय फिल्मों के कई संदर्भ हैं, जो हीथ लेजर की प्रसिद्ध पेंसिल ट्रिक ऑफ द जोकर (द डार्क नाइट), टाइगर इन द जॉन विक-एस्क अवतार, हैरी पॉटर के शतरंज बोर्ड अनुक्रम और 1982 की फिल्म शाओलिन टेम्पल से शुरू होते हैं।

फिल्म को रजत अरोड़ा ने लिखा है और संगीत ए.आर. रहमान दिया है, जबकि निर्देशक अहमद खान हैं। हीरोपंती 2 2०14 की फिल्म हीरोपंती का सीक्वल है। इस फिल्म से ही टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हीरोपंती 2 हीरोपंती, बाघी, बागी 2 और बागी 3 के बाद निर्माता साजिद नाडियाडवाला और टाइगर श्रॉफ की साथ में पांचवी फिल्म है। फिल्म ईद के मौके पर 29 अप्रैल को सिनेमाघरों में आने वाली है।(आरएनएस)

अजय सिंह चौधरी ने बैक-टू-बैक दो प्रोजेक्ट्स की शूटिंग की

अजय सिंह चौधरी के पास आजकल बिलकुल समय नहीं है। वह टीवी शो स्वर्ण घर और वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश की शूटिंग कर रहे हैं। अभिनेता अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं कि वह अपने काम के हर पल का आनंद ले।

उन्होंने कहा कि एक साथ दो परियोजनाओं पर काम करना मुश्किल है लेकिन अच्छी बात यह है कि इंस्पेक्टर अविनाश के निर्देशक नीरज पाठक और स्वर्ण घर के निर्माता सरगुन मेहता बहुत सहयोगी हैं। नीरज सर के साथ मेरा बहुत अच्छा तालमेल है। वह मेरे लिए एक गुरु हैं। वे दोनों मेरी स्थिति को समझते हैं और जानते हैं कि मैं दोनों परियोजनाओं में शामिल और निवेशित हूं। चीजें बहुत अच्छी चल रही हैं। जल्द ही इंस्पेक्टर अविनाश की शूटिंग खत्म हो जाएगी। जहां स्वर्ण घर की शूटिंग चंडीगढ़ में हो रही है, वहीं इंस्पेक्टर अविनाश की शूटिंग मुंबई हो रही है। इसलिए यह कई बार व्यस्त हो जाता है, लेकिन मैं इसका आनंद ले रहा हूं। मैं हमेशा ऐसी स्थिति में रहना चाहता था जहां मैं अलग-अलग जगहों पर शूटिंग कर रहा हूं। मुझे व्यस्त रहना और कैमरे के सामने रहना पसंद है।(आरएनएस)

मुझे रुद्र में देखकर मेरा परिवार हैरान हो गया:राशि

अभिनेत्री राशि खन्ना ने हाल ही में रुद्र: द एज ऑफ डार्कनेस से ओटीटी में डेब्यू किया, जिसमें उन्होंने एक सोशियोपैथ डॉक्टर आलिया चोकसी की भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि परिवार उन्हें सीरीज में में देखकर हैरान था।

अपनी भूमिका के बारे में राशि ने कहा, अलिया जैसे अलग किरदार को निभाना ही मेरे लिए मायने रखता है। मुझे लगता है कि मैं हमेशा कुछ ऐसा ढूंढती हूं जो मुझे अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकाल दे और इस किरदार ने ऐसा ही किया। मैंने इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।

उन्होंने आगे कहा कि सीरीज के सभी कलाकारों के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा। खासकर अजय सर और अतुल सर। अजय सर पहले दिन से ही मेरा समर्थन कर रहे थे। वह बहुत अच्छे अभिनेता हैं और मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। अतुल सर भी एक शानदार अभिनेता हैं और उनके साथ काम करना भी शानदार रहा।

राशि को उनकी भूमिका के लिए दर्शकों की सराहना मिली है। सेट पर लोग उन्हें इस किरदार में देखकर डर गए, उनका परिवार भी उन्हें रुद्र में देखकर हैरान रह गया। राशि ने कहा, मेरा परिवार और दोस्त हैरान थे। मैं जिस तरह की हूं, उन्होंने कभी नहीं सोचा होगा कि मैं इस तरह के किरदार भी निभा सकती हूं। इसके बारे में मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इस किरदार को निभा पाऊंगी! लेकिन, वे सभी खुश और गौरवान्वित हैं। बीबीसी स्टूडियोज इंडिया के सहयोग से अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित रुद्र- द एज ऑफ डार्कनेस अब डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग कर रही है।(आरएनएस)

हुमा कुरैशी ने महारानी 2 की शूटिंग खत्म की

अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने वेब सीरीज महारानी के दूसरे सीजन की शूटिंग पूरी कर ली है। सीरीज की शूटिंग भोपाल, होशंगाबाद और जम्मू-कश्मीर में की गई।

हुमा ने कहा, जम्मू में एक छोटा शेड्यूल था, लेकिन फिर भी कहानी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह शूटिंग के लिए बहुत खूबसूरत जगह थी। सीजन 2 में बहुत सारे ट्विस्ट और टर्न नजर आएंगे।

वेब सीरीज एक राजनीतिक थ्रिलर है, जिसे सुभाष कपूर ने बनाया और लिखा है। इसका निर्देशन करण शर्मा ने किया है।

पिछले साल 28 मई को रिलीज हुए शो के पहले सीजन में अभिनेता सोहम शाह, अमित सियाल, कानी कुसरती और इनामुलहक भी थे।

हुमा ने रानी भारती शो की नायिका की भूमिका निभाई। उन्हें फिल्मफेयर ओटीटी अवार्डस में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला।

शो का पहला सीजन सानीलिव पर स्ट्रीम कर रहा है। (आरएनएस)

व्हाइट शर्ट और पर्पल पैंट में शहनाज गिल ने दिखाया लेडी बॉस लुक

शहनाज गिल बिग बॉस 13 में आने के बाद से ही इंटरनेट पर राज कर रही हैं। शो में उनके चुलबुलेपन ने हर किसी का दिल जीत लिया। वहीं सिद्धार्थ शुक्ला संग उनकी बॉडिंग को लोगों का खूब प्यार मिला। शो से निकलने के बाद शहनाज ने अपने ऊपर भी बहुत काम किया। शहनाज जिस तरफ अपनी फिटनेस और लुक्स में बदलाव लाईं उसे देख कोई नहीं कहेगा कि वह बिग बॉस 13 की वहीं बबली गर्ल हैं।

आज जब भी सोशल मीडिया सेंसेशन,फैशन को ग्लैम का तड़का डीवा ऐसे शब्द सुन लोगों के जहन में सिर्फ एक ही हसीना का नाम याद आता है, वो है शहनाज गिल। शहनाज सूट, साड़ी, जींस से लेकर वन पीस और शॉर्ट ड्रेस हर आउटफिट में कमाल की दिखती हैं।

हाल ही में शहनाज एक बार फिर अपनी तस्वीरों को लेकर चर्चा में हैं। शहनाज ने हाल ही में बॉलीवुड के फेमस फोटोग्रॉफर डब्बू रतनानी के लिए फोटोशूट करवाया जिसमें उनका अब तक का सबसे किलर अंदाज देखने को मिल रहा है।

लुक की बात करें तो शहनाज पर्पल फ्लेयर्ड पैंट और व्हाइट शर्ट में कयामत ढा रही हैं। इस शर्ट के साथ उन्होंने पर्पल कलर की डिज़ाइनर जैकेट कैरी की हैं।

मिनिमल मेकअप, पर्पल आई शेडो और लाइट पिंक लिपस्टिक उनके लुक को परफेक्ट बना रही हैं। इस फोटोशूट के लिए शहनाज ने ब्लैक हील्स कैरी किए हैं।

शहनाज कभी जैकेट को कंधे रक रख तो कभी हाथ में थाम किलर अंदाज में पोज दे रही हैं। फैंस शहनाज की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं।

शहनाज गिल को आखिरी बार दिलजीत दोसांझ के साथ फिल्म हौंसला रख में नजर आईं थीं। वहीं टीवी पर शहनाज आखिरी बार बिग बॉस 15 में दिखीं थी जहां उन्होंने बिग बॉस 13 के विनर और दोस्त सिद्धार्थ शुक्ला को शानदार ट्रिब्यूट दिया था।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और अनन्या पांडे नए अभियान में आएंगे साथ नजर

सिद्धार्थ मल्होत्रा और अनन्या पांडे सीजन के एंबेसडर बन गए है। स्कॉट आईवियर की नवीनतम रेंज एक्सेसरीज़िंग के लिए एक ताजा दृष्टिकोण के साथ अपनी 2०वीं वर्षगांठ मना रही है। स्प्रिंग-समर कलेक्शन में ट्रेंड-फॉरवर्ड सनग्लासेस और ऑप्टिकल फ्रेम की एक सीरीज है।

धूप के चश्मे और ऑप्टिकल फ्रेम की एक सीरीज में धातु और मैट, पेस्टल और न्यूट्रल का एक अच्छा दिखने वाला मिश्रण है। अपनी विविध विशेषताओं के साथ, संग्रह प्रत्येक तत्व में रचनात्मकता, जुनून और नवीनता के साथ युवा पीढ़ी को आकर्षित कर रहा है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और अनन्या पांडे स्कॉट आईवियर के नए चेहरे हैं। संग्रह में कई लोकप्रिय रेट्रो आकृतियों का पुनरुद्धार भी देखा गया है जो निश्चित रूप से फैशनिस्टा अलमारी में अपना रास्ता बना लेंगे।

रेट्रो-स्क्यायर, मॉडिफाइड-एविएटर्स और बटरफ्लाई के साथ यह कलेक्शन आईवियर फैशन को फिर से परिभाषित करने वाला है। स्लीक मेटैलिक फ्रेम, ग्लैमरस मेटैलिक एम्बेलिशमेंट और पारदर्शिता और रंगों के विभिन्न नाटक स्प्रिंग-समर लुक के लिए एकदम सही हैं।

महंगाई के दुष्चक्र में विकास

अजीत द्विवेदी

भारत में विकास अदृश्य सा हो गया है। पिछले कई बरसों से इसकी तलाश चल रही है। लेकिन हर गुजरते साल के साथ विकास नजरों से दूर होता जा रहा है। नोटबंदी की वजह से सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की विकास दर गिर कर चार फीसदी तक आ गई थी और उसके बाद कोरोना के पहले साल में यह माइनस 6.7 फीसदी रही। कोरोना के दूसरे साल में विकास दर सकारात्मक हुई लेकिन माइनस 6.7 फीसदी के ऊपर सिर्फ डेढ़ फीसदी की बढ़ोतरी हुई। कमजोर आधार के ऊपर चालू वित्त वर्ष में नौ फीसदी से ज्यादा विकास दर की उम्मीद की जा रही थी लेकिन वित्त वर्ष के आखिर में आई ओमिक्रॉन की लहर और यूक्रेन पर रूस के हमले ने सारी उम्मीदों को धुंधला कर दिया। युद्ध की वजह से कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई का नया खतरा देश के सामने खड़ा हो गया है। सरकार की ओर से जारी पिछले दो महीनों यानी जनवरी और फरवरी के आंकड़ों में खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक की ओर से तय की गई अधिकतम सीमा से ऊपर थी।

भारतीय रिजर्व बैंक ने खुदरा मुद्रास्फीति का कंफर्ट जोन चार फीसदी का बनाया है और इसमें दो फीसदी प्लस-माइनस की गुंजाइश रखी है। इस लिहाज से अधिकतम सीमा छह फीसदी है। लेकिन जनवरी और फरवरी दोनों महीनों में खुदरा मुद्रास्फीति छह फीसदी से ज्यादा रही और थोक मुद्रास्फीति लगातार 11 महीने से दहाई में है। यूक्रेन पर रूस के हमले और ओपेक देशों के उत्पादन नहीं बढ़ाने के फैसले का साझा असर यह है कि अभी कच्चे तेल की कीमत एक सौ डॉलर प्रति बैरल है और एक अनुमान के मुताबिक यह 125 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाएगी। ध्यान रहे भारत अपनी जरूरत का लगभग 84 फीसदी तेल आयात करता है। ऐसे में भारत के लिए मुद्रास्फीति दर छह फीसदी से नीचे रखना नामुमकिन है। पिछले चार महीने से चुनावों की वजह से भारत में तेल की खुदरा कीमतें स्थिर थीं, लेकिन अब उनमें बढ़ोतरी शुरू हो गई है। पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, पीएनजी और रसोई गैस की कीमतों में एक साथ बढ़ोतरी हुई है।

पेट्रोलियम उत्पादों की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी से पहले सरकार ने थोक कीमत में एक साथ 25 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की। ऐसा प्रचारित किया गया कि थोक कीमत में बढ़ोतरी का असर आम लोगों पर नहीं होगा। लेकिन यह झूठा प्रचार है। थोक कीमतों में बढ़ोतरी ज्यादा बड़ी आबादी को प्रभावित करेगी। रेलवे और सड़क परिवहन से यात्रा किराया भी बढ़ेगा और माल ढुलाई भी महंगी होगी, जिससे उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें प्रभावित होंगी। इसी तरह फैक्टरियों में उत्पादन का व्यय बढ़ेगा और कृषि कार्य भी महंगा होगा, जिससे हर तरह के उत्पाद की कीमत बढ़ेगी। थोक कीमतों में बढ़ोतरी के बाद खुदरा कीमतों में भी रोजाना बढ़ोतरी होने लगी है और घरेलू व कॉमर्शियल रसोई गैस के दाम भी बढ़ गए हैं।

कोरोना महामारी का असर कम होने के बाद थोड़े दिन पहले ही विकास दर में थोड़ी तेजी लौटनी शुरू हुई है। एक बार फिर इस पर ब्रेक लग सकता है। महंगाई बढ़ने से उपभोक्ता मांग में स्वाभाविक रूप से कमी आएगी। कोरोना काल में वैसे भी आम नागरिकों ने खर्च काफी कम कर दिए हैं। महामारी के दौरान स्वास्थ्य जरूरतों ने भी लोगों को बाध्य किया कि वे खर्च घटाएं। अब अगर महंगाई काबू में नहीं रहती है और कीमतों में इजाफा होता है तो लोगों का खर्च और घटेगा। ध्यान रहे भारत की अर्थव्यवस्था बुनियादी रूप से आम उपभोक्ताओं की खरीद के आधार पर चलती है। देश की जीडीपी में 56 फीसदी हिस्सा उपभोक्ता खर्च का है। यानी लोग कपड़े, फ्रीज, एसी, गाड़ियां, फोन आदि खरीदते हैं या छुट्टियां मनाने निकलते हैं, यात्रा करते हैं तो उस पर होने वाले खर्च से विकास दर बढ़ती है। देश में अब भी लोग इन चीजों पर इतना खर्च नहीं कर रहे हैं कि विकास दर को पंख लगे लेकिन अगर महंगाई काबू में नहीं आई तो खर्च और कम होगा, जिससे विकास दर थमेगी।

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही यानी अक्टूबर से दिसंबर 2021 में विकास दर सिर्फ 5.4 फीसदी रही। सोचें, त्योहारों के सीजन में विकास दर का साढ़े पांच फीसदी से कम होना किस बात का संकेत है! इसके बाद ओमिक्रॉन की लहर भी आई और युद्ध भी छिड़ गया। तभी आखिरी तिमाही में विकास दर और कम होने का अंदेशा है। इसे देखते हुए अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडी ने चालू वित्त वर्ष के लिए विकास दर का अनुमान 9.5 से घटा कर 9.1 फीसदी कर दिया है। नौ फीसदी की ऊंची विकास दर भी इसलिए दिख रही है क्योंकि पिछले वित्त वर्ष की विकास दर का आधार बहुत मामूली है। अगले वित्त वर्ष यानी 2022-23 में साढ़े पांच फीसदी से कम विकास दर का अनुमान लगाया जा रहा है। एक तरफ अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियां विकास दर का अनुमान घटा रही हैं तो दूसरी ओर महंगाई दर का अनुमान बढ़ा रही हैं। चालू वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति औसतन छह फीसदी से ऊपर रहने का अनुमान है।

इसी वजह से माना जा रहा है कि भारत 'स्टैगफ्लेशन' की स्थिति में पहुंच गया है। हालांकि भारत सरकार इससे इनकार कर रही है। ब्रिटेन के एक कंजरवेटिव सांसद इयन मैकलॉयड ने सबसे पहले इस जुमले का इस्तेमाल किया था। इसका मतलब होता है कि विकास दर का स्टैगनेंट होना यानी ठहर जाना और महंगाई यानी इन्फ्लेशन का बढ़ते जाना। यह बहुत खतरनाक स्थिति होती है। क्योंकि आमतौर पर महंगाई तब बढ़ती है, जब अर्थव्यवस्था तेजी से विकास कर रही होती है। जैसे यूपीए सरकार के समय औसत विकास दर आठ फीसदी के आसपास थी। अर्थव्यवस्था छलांग मार रही थी। हर सेक्टर में मांग बढ़ रही थी। लोग उत्पादों और सेवाओं पर खर्च कर रहे थे। ऐसे समय में अगर महंगाई बढ़े तो वह आम लोगों को चुभती नहीं है। लेकिन इस समय हालात बिल्कुल उलट हैं। इस समय बाजार में ज्यादातर उत्पादों और सेवाओं की मांग नहीं है। लोग जीवन चलाने के लिए जरूरी चीजों की ही खरीद कर रहे हैं।

इसके बावजूद खाद्य वस्तुओं से लेकर हर चीज की कीमत में इजाफा हो रहा है। ऐसे समय में जरूरी है लोगों के हाथ में नकदी पहुंचे और लोग खर्च करें, जिससे बाजार में मांग बढ़े। पर बढ़ती महंगाई के बीच इसकी संभावना कम दिख रही है। यह स्थिति केंद्रीय बैंक के लिए भी बहुत संकट वाली है। उसे महंगाई और विकास दोनों की चिंता करनी है।

श्रेया जैन ने अटैक में काम करने का अपना अनुभव शेयर किया

गायिका, गीतकार और संगीतकार श्रेया जैन अपने नए प्रोजेक्ट जॉन अब्राहम की अटैक को लेकर काफी उत्साहित हैं।

वह कहती है कि यह एक उत्साहजनक एल्बम था जिसमें दिल दहला देने वाले ट्रैक का मिश्रण है।

बॉलीवुड में तीन गानों बम, क्रेजी नाउ और दुर्गा गायत्री मंत्र से डेब्यू करने वाली 23 वर्षीय गायिका लक्ष्य राज आनंद की आने वाली फिल्म अटैक का हिस्सा बनने का मौका देने के लिए संगीतकार शाश्वत सचदेव की शुक्रगुजार हैं।

मैं शाश्वत की आभारी हूं जिन्होंने मुझे फिल्म के स्कोर पर काम करने और इतने विविध एल्बम के लिए गाने की अनुमति दी।

नागपुर, महाराष्ट्र की रहने वाली, गायिका 5 साल की उम्र से भारतीय शास्त्रीय संगीत सीख रही हैं। इंटीरियर डिजाइन में डिग्री हासिल करने के बावजूद संगीत उनके लिए एक जुनून जैसा है। वर्तमान में अटैक के पूर्ण साउंडट्रैक के रिलीज के साथ, वह सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रियता हासिल कर रही है और वह इसे इस फिल्म में काम करने का एक शानदार अनुभव कहती है। जॉन अब्राहम, जैकलीन फर्नांडीज, रकुल प्रीत-स्टारर, एक्शन थ्रिलर अटैक 1 अप्रैल को रिलीज होगी।

सू- दोकू क्र. 78

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.77 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

महादशा में दीया कैसे जीतेगा?

हरिशंकर व्यास

महाकाल की महादशा! वायरस और झूठ की महामारी, पुतिन और शी जिनफिंग जैसे राहु-केतु जब भारत के जीवन, आर्थिकी, विदेश नीति, सुरक्षा में बरबादी की सुनामी बनाए हुए हैं तो राजनीति भी उसी महादशा का हिस्सा। जो लोग योगी आदित्यनाथ और अरविंद केजरीवाल की आंधी से फूले नहीं समा रहे हैं वे नोट रखें कि इन नतीजों से अहंकार की राजनीति को नए पंख लगे हैं। इनसे 2024 के चुनाव आते-आते हिंदू-मुस्लिम और इंकलाबी राजनीति के नए विनाशकारी गुल खिलेंगे। देश आज के मुकाबले कई गुना अधिक बिखरा, बरबाद होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अरविंद केजरीवाल तीनों चेहरों से आगे वह धमाल बनेगा, जिससे कुछ भी संभव है। जब यूपी के हिंदुओं ने योगी को भगवाधारी प्रामाणिक रघुकुल रीत का वंशज राजा मान राजतिलक किया है तो ऐसा होना अब उनकी अपनी कमाई है। वे नरेंद्र मोदी और अमित शाह से ऊंचे संत राजा हो गए हैं। उधर पंजाब के लोगों ने अरविंद केजरीवाल के चेहरे पर जो अंध आस्था दिखलाई है उससे वे आगे पूरे देश में इंकलाबी हुंकारा मारेंगे। इसके भावी सिनेरियो पर जितना सोचें वह कम होगा।

युद्ध की भेंट चढ़ते बच्चे

कहा जाता है कि स्कूल बच्चों के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल होना चाहिए। युद्ध के दूसरे सिद्धांत भी बहुत साफ हैं। इनमें शामिल है कि बच्चों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। लेकिन स्पष्ट है कि हर युद्ध की तरह यूक्रेन में भी इन सिद्धांतों का पालन नहीं हो रहा है।

ये कहानी नई नहीं है। युद्ध या अकाल जैसी विभीषिकाओं की सबसे ज्यादा कीमत हमेशा ही बच्चों को चुकानी पड़ती है। बुजुर्ग, महिलाएं और अन्य रूपों से कमजोर तबके इसके अन्य बड़े शिकार होते हैं। यही यूक्रेन में भी हो रहा है। कहा जा सकता है कि युद्ध जितना लंबा खिंचेगा, ये त्रासदी उतनी गंभीर होती जाएगी। जबकि फिलहाल सूरत यह है कि युद्ध के जल्द खत्म होने की कोई संभावना नजर नहीं आती। बल्कि तमाम संबंधित पक्षों की दिलचस्पी इसे लंबा खींचने में दिख रही है। बहरहाल, बच्चों के कल्याण के लिए काम करने वाले समूह सेव द चिल्ड्रन का कहना है कि युद्ध के कारण लाखों यूक्रेनी बच्चे गंभीर खतरे में हैं। संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि जो बच्चे अभी भी यूक्रेन में फंसे हुए हैं उन्हें तुरंत बचाया जाना चाहिए। यूक्रेन के अस्पतालों और स्कूलों पर बढ़ते हमलों के कारण अब 60 लाख से अधिक बच्चे गंभीर खतरे में हैं, जिन्हें तत्काल सुरक्षा की आवश्यकता है। गौरतलब है कि कि यूक्रेन में युद्ध का एक महीना पूरा हो रहा है। रूसी गोलाबारी के कारण 464 स्कूल और 42 अस्पताल वहां क्षतिग्रस्त हो चुके हैं।

संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक 24 फरवरी को रूसी हमला शुरू होने के बाद से अब तक कम से कम 59 बच्चे मारे गए हैं। इस बीच यूक्रेन में लगातार हो रहे मिसाइल हमलों और गोलाबारी के कारण अब तक 15 लाख से अधिक बच्चे देश से भागने को मजबूर हो चुके हैं। कहा जाता है कि स्कूल बच्चों के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल होना चाहिए। इसे कि भय, चोट या मौत से मुक्त होना चाहिए। लेकिन युद्ध के माहौल में ऐसी अपेक्षाएं निराधार साबित होने लगती हैं। युद्ध के दूसरे सिद्धांत भी बहुत साफ हैं। इनमें शामिल है कि बच्चों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। साथ ही अस्पतालों या स्कूलों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। लेकिन स्पष्ट है कि हर युद्ध की तरह यूक्रेन में भी इन सिद्धांतों का पालन नहीं हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार उच्चायुक्त के कार्यालय ने यूक्रेन में युद्ध के कारण नागरिकों के हताहत होने पर अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि 24 फरवरी से 19 मार्च के बीच कुल 2,361 नागरिक प्रभावित हुए, जिसमें 902 लोग मारे गए और 1,459 घायल हुए हैं। आशंका है कि मरने वालों की असल संख्या इससे बहुत अधिक हो सकती है। (आरएनएस)

राज्यपाल के अभिभाषण से पहले विधानसभा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूड़ी भूषण ने राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि) का स्वागत किया।

महिला की मौत पर ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप

संवाददाता

देहरादून। महिला की मौत पर परिजनों ने ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीमती संगीता मिश्रा पत्नी राजेन्द्र मिश्रा निवासी मौहल्ला गायत्री नगर बंड़ा शाहजहाँपुर ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी पुत्री अवंतिका मिश्रा उर्फ गौरी की शादी 25 नवंबर 2016 को हिन्दू रिति रिवाज के अनुसार शरद तिवारी पुत्र सतेन्द्र तिवारी निवासी ग्राम ददिउरी थाना बंड़ा जिला शाहजहाँपुर हाल निवासी देव मनी इन्कलेव शिमला बाईपास रोड पट्रोल पम्प के पास देहरादून उत्तराखण्ड के साथ की थी । लेकिन उसकी बेटी के ससुराल वाले दहेज के लिए उसको प्रताडित करने लगे थे। वह दहेज में दस लाख रूपये मांग रहे थे। 23 मार्च 2022 को समय शाम लगभग साढे आठ बजे फोन पर मेरी पुत्री ने बताया कि शरद ने आज मेरे साथ काफी मारपीट की है । जान से मार डालने की धमकी दे रहे है और रूपये की मांग कर रहे हैं। 27 मार्च को सुबह समय करीब साढे सात बजे शरद ने मुझे फोन कर बताया कि तुम्हारी पुत्री ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मुझे आशंका है कि उपरोक्त शरद ने षडयंत्र कर मेरी पुत्री की हत्या दहेज के लालच मे कर उसके गले मे रस्सी का फंदा या अन्य किसी का फंदा लगा कर लटका दिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ऋतु खंडूड़ी ने सीएम से की शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

देहरादून। विधानसभा सत्र के पहले दिन विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी ने सीएम पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। आज यहां उत्तराखंड की पांचवीं विधानसभा के प्रथम सत्र शुरू होने से पूर्व उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पुष्पगुच्छ भेंट कर विधानसभा अध्यक्ष का स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के इतिहास में पांचवीं विधानसभा का प्रथम सत्र ऐतिहासिक होने वाला है क्योंकि पहली बार महिला विधानसभा अध्यक्ष सत्र को संचालित करने जा रही है। मुख्यमंत्री ने सत्र के सफलतम संचालन के लिए विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण को अपनी शुभकामनाएं दी।

ज्वेलरी, मोबाइल व नगदी सहित चोर गिरोह का सरगना गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में हुई कई चोरियों के मामलों में फरार चल रहे चोर गिरोह के सरगना को पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने लाखों के जेवरात, मोबाइल फोन व नगदी भी बरामद की है। चोरी के इन मामलों में पुलिस गैंग के दो सदस्यों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर चुकी है।

बता दें कि पिछले दिनों रूड़की कोतवाली क्षेत्र में चोरों द्वारा कई चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया था। जिसमें पुलिस ने कार्यवाही करते हुए दो शातिर चोरों जरगाम पुत्र जावेद निवासी खटीमा जिला उधम सिंह नगर व दानिश पुत्र मेराज अहमद निवासी पीलीभीत उत्तर प्रदेश को लाखों रुपए की ज्वेलरी, नगदी, मोबाइल फोन व लैपटॉप सहित गिरफ्तार कर पूर्व में 26 मार्च को जेल भेज दिया गया था। चोरो के इस गैंग का सरगना शमीम पुत्र अब्दुल सलीम निवासी खटीमा फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयासरत थी। गैंग सरगना शमीम की तलाश में लगी पुलिस को बीते रोज सूचना मिली कि उक्त चोरियों में शामिल शमीम क्षेत्र में देखा गया है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पलिस ने बताये गये स्थान ए टू जेड की ढाल के पास से आरोपी शमीम को चोरी के मोबाइल , ज्वेलरी तथा नगदी सहित गिरफ्तार कर लिया गया। जिसने पूछताछ में बताया कि मैंने परसों रात रुड़की में नाले के पास एक घर का ताला तोड़कर यह फोन और पाजेब चोरी किए थे और जो 1200 रुपए हैं वह मैंने अपने साथी जगराम के साथ कुछ जेवरात बेचे थे उनसे मिले हैं। बाकी पैसे कपड़े खरीदने व स्मैक पीने मैं खर्च कर दिए। बताया कि वह अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर रात के समय बंद घरों के ताले तोड़कर चोरी करते हैं तथा चोरी का माल आपस में बांट कर अलग-अलग जगहों पर चले जाते हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है जो पहले भी कई मर्तबा जेल जा चुका है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर अन्य चोरियों से सम्बन्धित लाखों रूपये का माल भी बरामद किया गया है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ अनुमन्य कराए जाने पर जताई खुशी

देहरादून (कासं)। उत्तराखंड जल संस्थान कर्मचारी संगठन संयुक्त मोर्चा द्वारा कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ अनुमन्य कराए जाने के संबंध में लगातार प्रबंधक पक्ष वार्ता एवं दबाव बनाया जा रहा था। प्रबंधक पक्ष द्वारा विधानसभा सामान्य निर्वाचन की आचार संहिता समाप्ति पर २८ मार्च २०२२ को ८ संवर्ग सहायक मीटर निरीक्षक, वाहन चालक ग्रेड २, वाहन चालक ग्रेड ३, पाइपलाइन अधीक्षक हेड फिटर, पाइपलाइन फिटर शिफ्ट इंचार्ज, सीवर सुपरवाइजर, सीवर मिस्त्री आदि के ११३ पदों पर पदोन्नति कर कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ प्रदान किया गया है जिससे कर्मचारियों में खुशी की लहर है। रमेश बिंजोला, मुख्य संयोजक कर्मचारी संगठन संयुक्त मोर्चा देहरादून ने कहा कि कर्मचारी संगठन संयुक्त मोर्चा मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक मुख्यालय एवं सचिव प्रशासन का आभार व्यक्त किया गया है।

दो ब्याज माफिया गिरफ्तार, चार की तलाश जारी

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। शहर के ब्याज माफियाओं पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने दो ब्याज माफियाओं को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। इस मामले में चार ब्याज माफिया फरार है जिनकी तलाश की जा रही है। बता दें कि बीते रविवार को एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें एक बंद कमरे में कुछ लोगों द्वारा एक युवक की नग्न हालत में पिटाई की जा रही थी। वायरल वीडियों का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर ब्याज माफिया चिराग अग्रवाल, गोविंद ढाली, सुब्रत मंडल, मान ठाकुर, देवत मंडल व घनश्याम बाटला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी गयी थी। इस मामले में मुख्य आरोपी चिराग अग्रवाल अपने साथी गोविंद ढाली के साथ किच्छा हाईवे की ओर फरार हो रहा था। जिन्हे पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है।

साईबर सेल ने ऑनलाइन ठगी का शिकार व्यक्ति के खाते में लौटाई धनराशि

हमारे संवाददाता

टिहरी गढ़वाल। डेबिट कार्ड की जानकारी लेकर हजारों की धनराशि ठगने के मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए साइबर सेल ने उक्त धनराशि पीड़ित व्यक्ति के खाते में वापस करवा दी गयी है।

जानकारी के अनुसार अनिल सिंह निवासी हिंडोलाखाल टिहरी गढ़वाल द्वारा फोन के माध्यम से सूचना दी गयी थी कि 26 मार्च को अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके डेबिट कार्ड की जानकारी लेकर 20,098 रूपये की धनराशि निकाल ली गयी है ।

सूचना पर अस्मिता ममगांई, क्षेत्राधि कारी ऑपरेशन के पर्यवेक्षण में जनपद की साईबर सेल द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए पीड़ित के खाते से निकाली गई धनराशि जो की मोबिक विक वॉलेट में स्थानांतरित की गई थी, को मोबिक विक द्वारा होल्ड करवाया गया तथा सम्पूर्ण धनराशि 20,098 रूपये पीड़ित के खाते में वापस लौटाया गये है।

बता दें कि टिहरी साइबर सेल द्वारा 1 जनवरी 2022 से आज तक ऑनलाइन साईबर ठगी का शिकार हुये 4 व्यक्तियों के खातो में कुल 1, 21, 854 रूपये की की धनराशि वापस करवाई गयी है। जिसमें सभी ऑनलाइन साइबर ठगी का शिकार हुये व्यक्तियों द्वारा जनपद के साईबर सेल के कार्यो की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

महाराष्ट्र सरकार लॉकडाउन के दौरान दर्ज सभी केस वापस लेगी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान लोगों पर दर्ज की गई शिकायतों को वापस लेने का फैसला लिया है। प्रदेश के गृह मंत्री दिलीप पाटिल ने कहा कि प्रदेश के गृह विभाग ने फैसला लिया है कि आईपीसी १८८ के तहत लॉकडाउन के दौरान छात्रों, नागरिकों पर लॉकडाउन ऑर्डर के उल्लंघन से संबंधित सभी केस वापस लिए जाएंगे। गृह विभाग ने फैसला लिया है कि इस बाबत अगले हफ्ते होने वाली कैबिनेट की बैठक में प्रस्ताव पेश किया जाएगा और इसे मंजूरी मिलने के बाद सरकार

मामलों को वापस लेने का काम शुरू कर देगी। बता दें कि देश में कोरोना को फैलने से रोकने के लिए देशभर में लॉकडाउन लगाया गया था। सरकार की ओर से इस लॉकडाउन का पालन करने के लिए कई सख्त पाबंदियां लगाई गई थीं। ऐसे में इन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कई केस दर्ज किए गए थे। लेकिन अब जब देश में कोरोना संक्रमण अपनेआखिरी पड़ाव में है तो लॉकडाउन के दौरान लोगों पर लगाए गए केस वापस लिए जा रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार का यह फैसला कई लोगों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है।

पेट्रोल और डीजल के दाम में आज फिर हुआ इजाफा

नई दिल्ली । देश में पेट्रोल और डीजल के दाम में फिर से इजाफा किया गया है। पिछले आठ दिनों में ७ बार पेट्रोल–डीजल के दाम बढ़ चुके है। लगातार बढ़ती कीमतों की वजह से राजधानी दिल्ली में पेट्रोल के दाम १०० रुपये के पार हो गए हैं। दिल्ली में पेट्रोल के दाम ८० पैसे और डीजल के दाम ७० पैसे बढ़ाए गए हैं। राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल के दाम ८० पैसे की बढ़त के बाद १००.२१ रुपये प्रति लीटर पर आ गए हैं और डीजल के दाम में ७० पैसे की बढ़त के बाद ९१.४७ रुपये प्रति लीटर पर आ गए हैं। देश की आर्थिक

राजधानी मुंबई में पेट्रोल के दाम ८५ पैसे बढ़कर ११५.०४ रुपये प्रति लीटर पर आ गए हैं। वहीं ७५ पैसे बढ़कर डीजल के दाम ९६.२५ रुपये प्रति लीटर पर आ गए हैं। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल के दाम ३ पैसे और डीजल के दाम ७० पैसे बढ़ाए गए हैं। आज कोलकाता में पेट्रोल १०६.६८ रुपये प्रति लीटर पर आ गया है और डीजल के रेट ९४.६२ रुपये प्रति लीटर पर आ गए हैं। चेन्नई में पेट्रोल के दाम ७६ पैसे बढ़ाए गए हैं।

युद्ध रोकने की शर्तों वाली जेलेंस्की की चिट्ठी पर भड़के पुतिन!

मास्को । यूक्रेन के पक्षकार रोमन एब्रामोविच की ओर से वोलोदिमीर जेलेंस्की का हाथ से लिखा संदेश रूसी पक्ष कौ सौंपा गया था। रिपोर्ट के अनुसार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि जेलेंस्की से कह देना मैं उन्हें बर्बाद कर दूंगा। रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन के राष्ट्रपति ने हस्तलिखित संदेश दिया

था उसमे यूक्रेन के हाल की विस्तृत जानकारी थी। आज रूस और यूक्रेन के बीच एक बार फिर से शांति वार्ता होने जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन इस वार्ता के जरिए युद्ध को रोकने की कोशिश करेगा। लेकिन अमेरिका और यूक्रेन को इस बात की संभावना कम है कि इस वार्ता से कुछ अहम नतीजा सामने आएगा। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा कि इस वार्ता के दौरान कम से कम हम मानवीय सवालों के जवाब तलाशने की कोशिश करेंगे और युद्ध विराम पर चर्चा करेंगे। हम इसके लिए अपने लोगों की जान, जमीन या संप्रभुता को खतरे में नहीं डाल सकते हैं। दरअसल एब्रामोविच को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का करीबी माना जाता है, जिसके चलते उन्हें कई पाबंदियों का भी सामना करना पड़ रहा है। उनपर यूके और यूरोपियन यूनियन ने कई पाबंदी लगा दी है। इस बीच एब्रामोविच इस कोशिश में भी हैं कि वह अपनी प्रतिष्ठा को बचा सके। उनकी संपत्ति को ब्रिटेन और पूरे कॉन्टिनेंट में फ्रीज कर दिया गया है।

समान नागरिकता कानून सरकार की प्राथमिकता

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की पांचवीं विधानसभा के पहले विधानसभा सत्र का शुभारंभ आज राज्यपाल के अभिभाषण से हुआ। इस दौरान राज्यपाल द्वारा सरकार की नीतियों तथा कार्य योजनाओं का विस्तार से उल्लेख किया गया उनके अभिभाषण में राज्य में समान नागरिकता कानून (यूनिफॉर्म सिविल कोड) का उल्लेख किए जाने से यह साफ हो गया है कि यह मुद्दा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहने वाला है।

अपने अभिभाषण में राज्यपाल द्वारा कहा गया कि यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर सरकार गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने राज्य में चलाई जाने वाली चार धाम सड़क परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि इसका काम प्रगति पर है तथा इसके पूरा होने से राज्य में कनेक्टिविटी और अधिक बेहतर होगी उन्होंने कहा कि सभी चार धामों को हेली सेवा से जोड़ने तथा इसमें हेमकुंड साहिब को भी शामिल करने से चारधाम यात्रियों व

❑राज्यपाल ने गिनवाई सरकार की प्राथमिकताएं

हेमकुंड साहिब आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि सरकार हेली सेवा के विस्तारीकरण और सुद्रढ़ीकरण के प्रति पूर्णतया जागरूक है। उन्होंने राज्य में ऊर्जा और बिजली क्षेत्र को और अधिक बेहतर बनाने के प्रति भी सरकार को कृत संकल्पित बताते हुए कहा कि जगरामी बांध परियोजना पर काम जारी है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई घसियारी योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इसके माध्यम से पशुपालकों को रियायती कीमत पर चारा उपलब्ध कराया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि अभी राज्य सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में समान नागरिकता कानून का ड्राफ्ट बनाने के लिए रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में कमेटी गठित करने का फैसला लिया था। आज राज्यपाल द्वारा अपने अभिभाषण में भी इसे शामिल कर यह साफ कर दिया गया है कि राज्य सरकार इसे लेकर गंभीरता से काम कर रही है। राज्यपाल का अभिभाषण आज शांतिपूर्ण रहा और विपक्ष ने कोई हंगामा नहीं किया।

बीएसएनएल अधिकारी बन ठगे एक लाख रुपये

देहरादून (सं)। बीएसएनएल अधिकारी बन केवाईसी की जानकारी लेने के बहाने एक लाख रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बद्रीपुर निवासी चंदन सिंह असवाल ने साइबर थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके पास 6 व 7 मार्च को मुझे कांल आया , काल करने वाले ने खुद को बीएसएनएल का अधिकारी बताया और कहा की उनके सिम की केवाईसी अपडेट नही है इसके लिए उसने बातो- बातों मे मेरे एसबीआई व यूबीआई खाते की जानकारी हासिल कर ली ,कुछ देर बाद मेरे खातो से निम्न प्रकार से कुल 1,05019 रूपये निकाल लिए। उसने जब उक्त मोबाइल नम्बरो की जानकारी की तो पता चला कि यह कोई बीएसएनएल के अधिकारी न होकर धोखाधडी करने वाले व्यक्ति है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कस्टमर केयर अधिकारी बन ठगे 55 हजार रुपये

देहरादून (सं)। कस्टमर केयर अधिकारी बन खाते से निकाले 55 हजार रूपये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ममता निवासी ७ राजराजेश्वरी बिहार लोअर नत्थनपुर देहरादून ने साइबर थाना उत्तराखंड में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि मेरे फोन में एसबीआई योनो एप कार्य न करने के कारण मैने गूगल से एसबीआई योनों कस्टूमर केयर नम्बर पर काल की उन्होंने मुझे एनी डेस्ट एप डाउनलोड करने को कहा तथा मेरे खाते से 12 मार्च को 25000 रूपये,15264 रूपये, 15264 रूपये तीन किस्तों में काट लिए गए संदेह होने पर मैंने पता किया तो पता चला कि मेरे साथ एसबीआई का फर्जी कस्टमर केयर अधिकारी द्वारा कुल 55528 रूपये की आनलाईन धोखाधडी कर ली गई हैं, तत्पश्चात मैने अपना नेट बैंकिंग बन्द करवा दी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कांग्रेस विधायक का महंगाई के खिलाफ विधानसभा में प्रदर्शन

विशेष संवाददाता

देहरादून। पहली बार विधायक चुनकर विधानसभा पहुंची अनुपमा रावत ने आज विधानसभा में बढ़ती महंगाई के मुद्दे की ओर न सिर्फ सरकार का ध्यान आकर्षित किया, बल्कि एक पोस्टर के जरिए भाजपा को घेरने और कांग्रेस को समर्थन न देने वाली प्रदेश की जनता को भी एक संदेश देने की कोशिश की।

अनुपमा रावत ने जहां राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान अपनी सीट पर खड़े होकर बढ़ती महंगाई का मुद्दा उठाया वहीं वह सदन से बाहर आकर सदन की सीढ़ियों पर एक पोस्टर लोगों को दिखाती देखी गई जिस पर लिखा था कि बढ़ती महंगाई भाजपा सरकार द्वारा जनता को जीत के लिए दिया गया इनाम है कि आज पेट्रोल 90 के पार और गैस सिलेंडर हजार के पास पहुंच गया है।

यह अलग बात है कि कांग्रेस विधायक के इस विरोध प्रदर्शन के दौरान अनुपमा दावत अकेली दिखी और कोई कांग्रेसी नेता उनके साथ नहीं दिखा। उन्हें पता था कि वह कोई पोस्टर बैनर लेकर नहीं जा सकती हैं इसलिए उन्होंने पोस्टर के तौर पर अपने दुपट्टे को इस्तेमाल किया। सदन में वह पीछे की पंक्ति में बैठी थी वह जब राज्यपाल के अभिभाषण के बीच खड़ी हो गई तो लोगों का ध्यान उनकी ओर गया। सदन से बाहर निकलकर वह सीढ़ियों पर बैठ गई और अपने दुपट्टे पर लिखे पोस्टर को दिखाने लगी। उन्होंने कहा कि हमने जनता को चुनाव से पहले भी आगाह किया था कि चुनाव के बाद अगर भाजपा की सरकार आई तो वह महंगाई की मार झेलने को तैयार रहें लेकिन जनता ने उनकी बातों पर भरोसा नहीं किया। अब परिणाम सामने हैं आज बढ़ती महंगाई से हर एक आम आदमी परेशान है। और आने वाले दिनों में उसकी परेशानी और भी बढ़ने वाली है उन्होंने कहा कि वह सभी जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्ष करती रहेगी।

उल्लेखनीय है कि बीते कल विपक्ष ने इस महंगाई के मुद्दे को लोकसभा में भी उठाया था तथा कल ही प्रदेश महिला कांग्रेस ने दून में भी इस महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन किया था।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।